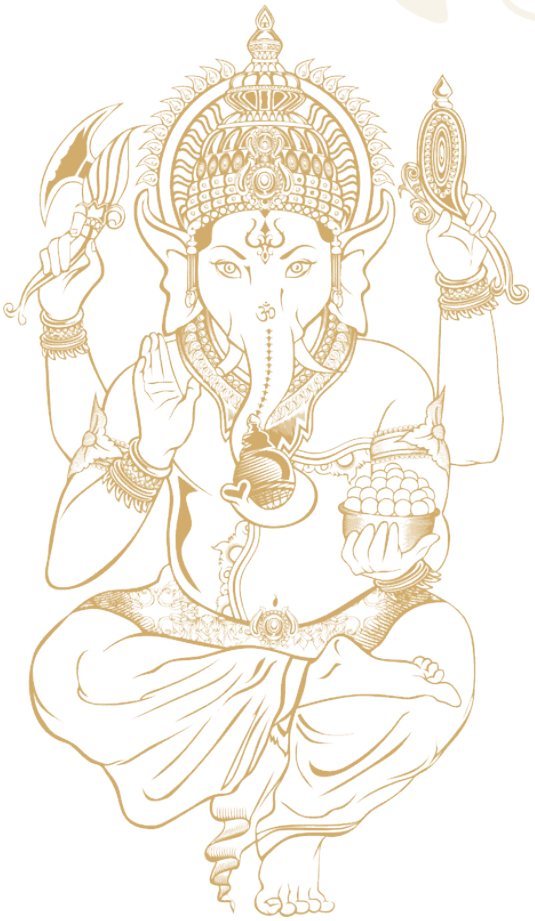

Sa5 Ritika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121052403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/10/1993	जन्म तिथि	4-05/05/1997
शुक्र-शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 03:25:00	जन्म समय	05:15:00 घंटे
घटी 54:00:03	जन्म समय(घटी)	59:56:12 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Chapra
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	25:47:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	84:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:09:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:48:58	सूर्योदय	05:11:38
17:41:54	सूर्यास्त	18:23:55
23:46:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:09

विंशोत्तरी बुध 3वर्ष 7मा 1दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 5वर्ष 3मा 18दि
सूर्य	11:59:22	सिंह	लग्न	मेष	20:37:12	शुक्र
04/05/2024	14:57:17	कन्या	सूर्य	मेष	20:42:48	22/08/2009
04/05/2030	27:11:10	मीन	चंद्र	मीन	25:50:34	22/08/2029
सूर्य 21/08/2024	09:29:10	तुला	मंगल	सिंह	23:13:52	शुक्र 22/12/2012
चन्द्र 20/02/2025	07:20:16	तुला	बुध व	मेष	06:12:19	सूर्य 22/12/2013
मंगल 28/06/2025	27:42:26	कन्या	गुरु	मक	26:07:43	चन्द्र 23/08/2015
राहु 23/05/2026	18:50:10	सिंह	शुक्र	मेष	29:07:21	मंगल 22/10/2016
गुरु 11/03/2027	00:25:53	कुंभ व	शनि	मीन	20:41:55	राहु 23/10/2019
शनि 21/02/2028	10:35:08	वृश्चि व	राहु व	कन्या	04:07:21	गुरु 23/06/2022
बुध 27/12/2028	10:35:08	वृष व	केतु व	मीन	04:07:21	शनि 22/08/2025
केतु 04/05/2029	24:27:44	धनु	हर्ष	मक	14:49:36	बुध 22/06/2028
शुक्र 04/05/2030	24:36:11	धनु	नेप व	मक	06:08:10	केतु 22/08/2029
	29:55:30	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	10:57:26	

लग्न-चलित

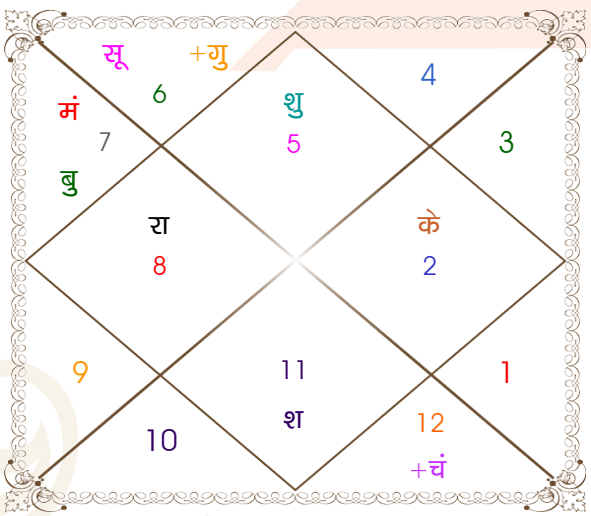

लग्न-चलित

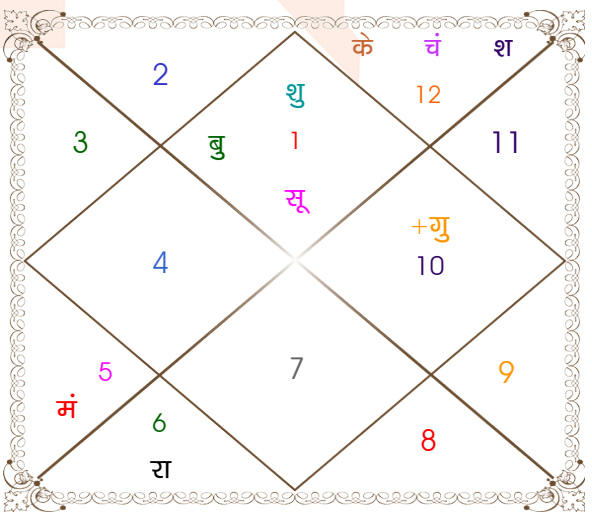

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गज	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Sa5 का नक्षत्र रेवती है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि त्पजपां का नक्षत्र रेवती है।

Sa5 का वर्ग सिंह है तथा त्पजपां का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sa5 और त्पजपां का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sa5 मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्पजपां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Sa5 तथा त्पजपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।